

12.3.2014

पत्रावली पेश हुई। वकील पत्रकार  
उपस्थित। 10. नं. का 9 द शिवांगी  
पत्रावली दि. 13.5.24 को पेश हो।  
Ok  
(reader)

13.5.24

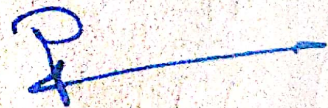
पत्रावली पेश हुई। वकील पत्रकार उपस्थित।  
वकील प्राणी ने निवेदन किया कि अप्राणीगण  
को जरूरी आस्थापी निषेधाज्ञा इस बात  
के लिए जांबंद किसे जावे कि अप्राणीगण  
की संयुक्त संयुक्त कब्जे काष्ठ की आराजी  
श्रीमि मॉजा कंपाकुण्डली की खतोनी संयुक्त  
2072 से 2075 के खाता सं. नया 9 एवं  
पुराना 11 के प्राणीगण / वादीगण के संयुक्त  
खते के प्रसरा नं. 41 नामी रोहतवाली  
मगरी किरम सुम्बी क. शकवा 04-07  
चार बीघा खात बिश्वा एवं शक. सं. 96 शकवा  
1 बीघा 3 शकवा किरम वाक. प्र. लगनी 0-23  
कुल प्रसरा 2 कुल शकवा 5.02 बीघा कुल  
लगत 1-97 स्थित है। ऐसे में अप्राणीगण  
को मृत वाद के फैसले तक रिकॉर्ड व मॉके  
की अस्थास्थिति बनाए रखने का आदेश  
पारित किया जात्र आवश्यक है। वकील  
अप्राणी ने जवाब प्रा. पत्र पेश नहीं करना  
चाहा। जवाब बंद किया जाता है।

पत्रावली का अवलोकन किया गया।  
अधीवक्ता प्राणीगण की एकतरफा बरस  
रहती मधी। वादग्रस्त आराजी प्राणीगण  
की संयुक्त आराजी है। ऐसे में अप्राणीगण  
को आस्थापी निषेधाज्ञा जारी करके जांबंद  
किया जाता आवश्यक है, क्योंकि प्रथम  
दृष्टया मामला आविधा एवं संतुलन की दृष्टि  
का है। ऐसे में रिकॉर्ड व मॉके की स्थिति  
में परिवर्तन किए जाने पर वाद बिबिधता  
बढेगी तथा प्राणीगण को अपुरणीय क्षति होगी।

2  
सुपरीम अदालत  
सीमावली

भारत आरक्षण के लिए पाबंद  
किया जाता है कि प्राथमिकता की मांग  
कंपाक्यूरी के अंगुल कबले काश्त की प्राणजी  
शुभ में किसी प्रकार का काश्त, अतिक्रमण  
निर्माण, आवरोध पैदा न स्वयं करे न  
अथ किसी व्यक्ति से करे। ऐसे में  
रिपोर्ट व डॉक की संपादनित तबत  
रहे।

पत्रावली में मूल बाद के फैसले तक आरक्षण  
निषेधाज्ञा जारी की जाती है। पत्रावली  
फैसल शुमार होकर अंतगत मूल बाद  
रहे।



उपखण्ड अधिकारी  
सीमलवाडा